
मनसा सेवा - 36

➤➤ नींद में आराम क्यों मिलता है ?

➤➤ _ ➤➤ संकल्प शांत हो जाते हैं

➤➤ _ ➤➤ अशरीरी हो जाते हैं

→ आत्मा detach हो जाती है

➤➤ _ ➤➤ चिंताओं की विस्मृति हो जाती है

➤➤ _ ➤➤ तन और मन दोनों शांत हो जाते हैं

➤➤ _ ➤➤ अंतर्मुखी हो जाते हैं

➤➤ नींद आराम का एक सशक्त साधन है

➤➤ _ ➤➤ पर यही आराम अगर हम किसी और साधन से प्राप्त कर लें तो

→ हम निद्राजीत बन सकते हैं

➤➤ सेवा में आराम का अनुभव कैसे करें ? नींद में जो अनुभूतियाँ होती हैं , वो सेवा में कैसे करें ?

➤➤ _ ➤➤ अगर दिल से सेवा की जाए

→ जिससे प्रेम होता है

■ उसका भार और बंधन नहीं होता

→ हथ कार डे ... दिल यार डे

➤➤ _ ➤➤ Instrument होने का भाव

→ वो करा रहा है

■ इस पाठ को घोट घोट कर पक्का कर दो

→ It Is HIS Responsibility

■ It Is HIS Headache

→ जो अपनी जिम्मेवारी बाप को दे देते हैं

■ तो बाप उन बच्चों को जिम्मेवारी ले लेते हैं

→ असोच भव

■ जब तुम मेरी याद में मगन रहोगे तो तुम्हारे लिए सोचने का काम मैं करूंगा

➤➤ _ ➤➤ जब लगन होती है तो

→ थकान का अनुभव नहीं होता है

» _ » दुआओं की असीम ऊर्जा प्राप्त होती है

→ अदृश्य शक्ति प्राप्त होती है

» _ » खेल खेल में सेवा करो

→ उसे Entertainment बना दो

» _ » स्वमान में स्थित होकर सेवा करें

→ “सफलता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है”

» _ » सेवाओं को बांटना सीखें

→ Team Work से आगे बढ़ें

→ दूसरों को भी मौका दें

» _ » सेवाओं में साक्षी भाव

→ कर्म के प्रति और कर्म के परिणाम के प्रति

» _ » सेवाओं में निस्वार्थ भाव

→ नाम , मान , शान की कोई कामना नहीं

» _ » Self Sacrificing Attitude

→ स्वयं को स्वाहा कर दो सेवा में

» _ » EASY & FLEXIBLE NATURE

→ लचीलापन

■ स्वयं को मोल्ड करना सीखें

» _ » हम स्टेज पर हैं

→ पूरी दुनिया हमें देख रही है

» _ » अपने कर्म के प्रति DETERMINATION & DEDICATION

→ समर्पण भाव